

LOK SABHA

Monday, April 29, 1963/Vaisakha 9,  
1885 (Saka)

— — —

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO  
QUESTIONS

कोयला खान मजदूरों का कल्याण

\*१०६७. { श्री म० सा० द्विवेदी :  
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या श्री रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सरकार ने १९६२-६३ में कोयला खान मजदूरों के कल्याण के लिए कितनी धन राशि व्यय की है ?

श्री रोजगार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री २० कि० मालवीय): २,५६,६३,१०० रु० [Rs. 2,56,93,100/- Approximately.]

श्रीमती सावित्री निगम : श्रीमन्, क्या मैं जान सकती हूँ कि जो रुपया खर्च होता है वह विभिन्न कमेटियों के द्वारा होता है या एडमिनिस्ट्रेशन के द्वारा खर्च होता है ?

श्री २० कि० मालवीय : इस फंड के खर्च के लिए सब कमेटीज बनी हुई हैं। जिन जिन प्रान्तों में कोयला उत्पादन होता है, जैसे बिहार में, आन्ध्र प्रदेश में, मध्य प्रदेश में, वहाँ हर जगह सब कमेटीयां बनी हुई हैं और इन सब कमेटीयों में कोयला खदानों के मालिकों के प्रतिनिधि रहते हैं, मजदूरों के प्रतिनिधि रहते हैं और गवर्नमेंट के भी आफिसर्स रहते हैं और जो उनकी सिफारिशों

होती हैं उन पर विचार हो कर यह रकम खर्च की जाती है।

श्रीमती सावित्री निगम : क्या मैं जान सकती हूँ कि यह जो रकम रखी है इन में से कितना रुपया लोगों के पीने के पानी की सुविधा पर खर्च किया गया है, क्योंकि अक्सर देखते हैं कि मजदूरों को शुद्ध पानी मुहय्या नहीं होता जहाँ कोयले की खानें हैं ?

श्री २० कि० मालवीय : जहाँ तक कि पीने के पानी का सवाल है, एक बहुत बड़ी स्कीम झरिया कोलफील्ड में चालू की जा रही है जिसमें करीब ७५ लाख रुपया खर्च होगा और इस फंड में से कुछ रुपया लोन के रूप में और कुछ अनुदान के रूप में इस काम के लिए दिया जा रहा है। इसके अलावा कुछ भी खोदे जाते हैं जिन पर सन् १९६२-६३ में करीब ५१,४७६ रुपया खर्च हुआ और दूसरी जगहों पर भी वाटर स्कीम लागू की जा रही हैं। जिन जिन एम्पलायर्स ने अपनी कोलोनीज में पानी की योजनायें बनायी हैं, उनके लिए हम लोग रुपया देते हैं।

श्री ० गोबिन्द दास : अभी मंत्री जी ने एक अंक बताया कि इतना रुपया खर्च हुआ है। सन् १९६२-६३ में। क्या मैं जान सकता हूँ कि कितना कितना रुपया किन किन राज्यों में खर्च हुआ है, और क्या खर्च करते वक़्त इस बात का ध्यान रखा जाता है कि मजदूरों की जितनी संख्या है और उनकी जैसी हाजत है उसके अनुपात में रुपया खर्च किया जाए ?

श्री २० कि० मालवीय : जी हाँ। जो मेम बताने होता है उसके लिए कायदा

यह है कि जिस प्रान्त में जितना सेस जमा किया जाता है वह सारा उसी प्रान्त में और उसी प्रान्त की एडवाइजरों, कमिटी की सलाह से खर्च किया जाता है। वैसे जितना भी लेबर कोल फील्ड्स में है वह कवर्ड है। कोयला खानों में करीब ४ लाख लोग काम करते हैं और उनके परिवारों को मिला कर करीब १६ लाख आदमी होते हैं। यह रुपया इन सब लोगों की भलाई के कामों के लिए खर्च किया जाता है।

**Shri S. M. Banerjee:** I want to know whether it is a fact that a good amount out of this total amount is likely to be spent in constructing houses for the mine workers and if so, to what extent?

**Shri R. K. Malviya:** Yes, Sir. Today, our estimated income from the cess for 1963-64 is going to be about Rs. 27,00 lakhs. Out of this amount, 50 percent of the amount will be spent on their housing. There is also accumulation of the amount of the past which is also being spent on housing.

**Shri Mohammad Elias:** There was a scheme for improved drinking water supply in Asansol and Raniganj area and subsequently this scheme did not materialise. May I know whether this scheme is going to materialise and what amount will be spent from the coal workers welfare fund for this improved water supply?

**Shri R. K. Malviya:** There are two different water supply schemes, one for the Asansol area and the other for the Jharja area. I have just said that the amount which is to be spent on Jharja water works is going to be to the tune of about Rs. 75 lakhs. This scheme will get a good amount as loan as also our subsidy. There is also a scheme for Asansol area. But it has not been finalised. As soon as it is finalised, it will come into operation. In that scheme also, there will be quite a large amount which will be given as loan and as subsidy to the West Bengal Government.

**श्री प० ला० बाबूपाल:** बीकानेर जिले में, राजस्थान में कोयला निकलता है। वहां पर जो पालना की कोलरी है उसमें मजदूरों को पानी न मिलने के कारण बड़ी दिक्कत है। क्या उनके लिए सरकार कोई योजना बना रही है ?

**अध्यक्ष महोदय :** एक एक जगह के बारे में सवाल पूछा जाएगा तो बड़ी मुश्किल होगी।

**श्री र० कि० मालवीय :** पालना के बारे में, कुछ दिन हुए जब मैं जयपुर गया था तो बात हुई थी। पालना की कोलरी अभी ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है। उसका क्षेत्र बहुत छोटा है और उसका सेस बहुत कम वसूल होता है। तो भी कोल कमेटी जिस ढंग से सिफारिश करेगी उसके मुताबिक काम किया जाएगा।

**श्री विभूति मिश्र :** कोयला खानों में जो मजदूर काम करते हैं उनकी सेहत बहुत खराब हो जाती है। क्या सरकार ऐसा इन्तजाम करना चाहती है, और उनको ऐसी सुहूलियत देना चाहती है कि उनकी सेहत ठीक रह सके ?

**श्री र० कि० मालवीय :** जहां तक सेहत का सवाल है, हमारे इस फंड से सब से ज्यादा एमाउंट, करीब ५०-५२ लाख रुपया, सिर्फ सेहत पर खर्च होता है। दो बड़े बड़े अस्पताल आसानसोल और धनबाद में हैं और उसके साथ रॉयनल अस्पताल है और जितने कोलरीज के अस्पताल हमारे स्टैंडर्ड के हैं उनको भी हम सहायता देते हैं। इस प्रकार इन मजदूरों की सेहत को प्रोटेक्ट करने का प्रयत्न करते हैं।

**आकाशवाणी पर हिन्दी का प्रयोग**

\*१०६८. श्री भक्त दर्शन : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुछ समय पहले आकाशवाणी को हिन्दी के प्रयोग के बारे में परामर्श देने के लिए